श्री राणी सती दादी जी की आरती

ॐ जय श्री राणी सती माता
मैया जय राणी सती माता,
अपने भक्त जनन की दूर करन विपत्ती|
अवनि अननंतर ज्योति अखंडीत मंडितचहुँक कुंभा
दुर्जन दलन खडग की विद्युतसम प्रतिभा|
मरकत मणि मंदिर अतिमंजुल शोभा लखि न पडे,
ललित ध्वजा चहुँ ओरे कंचन कलश धरे|
घंटा घनन घडावल बाजे शंख मृदुग घूरे,
किन्नर गायन करते वेद ध्वनि उचरे|
सप्त मात्रिका करे आरती सुरगण ध्यान धरे,
विविध प्रकार के व्यजंन श्रीफल भेट धरे|
संकट विकट विदारनि नाशनि हो कुमति,
सेवक जन ह्रदय पटले मृदूल करन सुमति,
अमल कमल दल लोचनी मोचनी त्रय तापा|
त्रिलोक चंद्र मैया तेरी शरण गहुँ माता|
या मैया जी की आरती प्रतिदिन जो कोई गाता,
सदन सिद्ध नव निध फल मनवांछित पावे|